



सहकार्य-सेवाभ्यहम्

52 वाँ वार्षिक प्रतिवेदन 2022-23

म.प्र. राज्य सहकारी बैंक कर्मचारी सहकारी सारख समिति मर्या., भोपाल

(पंजीयन क्रमांक - 129, दिनांक 03.03.1972)

दूरभाष क्रमांक 0755-2760846

ईमेल : apexsociety1@gmail.com

दिनांक 27 सितम्बर 2023, दिन बुधवार

समय : शाम 5:30 बजे

स्थान : अपेक्स बैंक सभागार, 6वीं मंजिल, न्यू मार्केट, टी.टी. नगर, भोपाल

52 वां वार्षिक प्रतिवेदन 2022-23

संस्था के द्वारा सदस्यों के हितार्थ कई योजनाएं संचालित की जा रही है जो कि निम्नानुसार है:-

- ◆ सहकारिता के 7 सिद्धांतों पर संस्था संचालित की जा रही है जिसका मुख्य उद्देश्य "एक सबके लिए सब एक के लिए" सिद्धांत के तहत संस्था द्वारा सदस्यों के देहावसान होने पर 8.00 लाख तक के बकाया ऋण माफ किये जा रहे हैं। इस हेतु एक निधि "दिवंगत सदस्य सहायता निधि" का निर्माण किया गया जिसके तहत निधि निर्माण होने की दिनांक 28.06.18 से अभी तक 19 सदस्यों के ऋण माफ किये गये हैं।
- ◆ मध्यावधि ऋण योजना के अंतर्गत 15 वर्षों हेतु 9% की ब्याज दर पर राशि रु. 10.00 लाख तक ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।
- ◆ व्यक्तिगत ऋण योजना के अंतर्गत 7 वर्षों हेतु 9% की ब्याज दर पर राशि रु. 5.00 लाख तक का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।
- ◆ सदस्यों की अनिवार्य जमा राशि का 80% तक ऋण, 5 वर्ष की अवधि हेतु 9% की ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है।
- ◆ संस्था सदस्यों के बच्चों की उच्च शिक्षा हेतु ऋण 10 वर्षों की अवधि हेतु 9% की ब्याज दर पर पात्रता अनुसार ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।
- ◆ सदस्यों के सेवानिवृत्त होने पर सेवानिवृत्त दिनांक को सदस्य कल्याण निधि से राशि रु. 5000/- की सम्मान निधि एवं सेवानिवृत्ति दिनांक पर समस्त देयत्वों का भुगतान किया जा रहा है।
- ◆ सभी सदस्यों को प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर उनके ऋण खातो एवं अनिवार्य जमा राशि की जानकारी उनके मेल आई.डी. पर उपलब्ध कराई जा रही है।
- ◆ संस्था सदस्यों को उनके घरेलू उपयोग में आने वाली खाद्य सामग्री एवं दैनंदिन उपयोग की वस्तुओं आदि का वितरण उपभोक्ता भंडार के माध्यम से किया जा रहा है। किसी भी सदस्य के परिवार में विवाह आदि के उपलक्ष्य में किराना सामान राशि रु. 25000/- तक उपलब्ध कराया जाता है जिसकी वसूली 3 मासिक समान किश्तों में की जाती है।
- ◆ संस्था द्वारा सदस्यों को चाय एवं काफी प्रतिदिन संस्था के टी-क्लब के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही है।



सहकार्य-सेवाभ्यहम्

बिना सहकार, नहीं उद्धार।

